सिद्ध न हो सकी।

आधुनिक-काल की विशेषताएँ - आधुनिक काल को हिन्दी-साहित्य का 'स्वर्ण-युग' कहा जा सकता है। इस काल में साहित्य के प्रत्येक अंग का जन्म और विकास हुआ। साथ ही विभिन्न साहित्यिक रूपों और प्रवृत्तियों की विविधता भी रही है। इसके कई कारण है — (1.) गद्य का विकास, (2.) राष्ट्रीय भावों की प्रधानता आज की राष्ट्रीयता में आर्थिक, सामाजिक धार्मिक आदि - सभी समस्याओं का समावेश है (3.) शुद्ध शृंगारिक - भक्ति की मर्यादा एवं रीति की अति से दूर मध्यम मार्ग - शुद्ध वातावरण (4.) आज का साहित्य जीवन के अधिक समीप है - अब उसमें कल्पना की अपेक्षा वास्तविकता (सत्य) का प्राधान्य है। इस युग में आंशिक रूप से छायावाद और प्रयोगवाद को छोड़कर सर्वत्र मानव जीवन की प्रधानता दी गई है।

(5.) वादों की प्रधानता - अन्य युग में वादों की प्रधानता नहीं थी, परन्तु इस युग में वादों की बाढ़ आ गई जिससे साहित्य के क्षेत्रों को अधिक विस्तृत बनाया गया। यही इस काल की विशेषताएँ हैं।